Today's Poem – 19.05-2014

बाप समान बनो रहमदिल

सबको दुखों को छुड़ाकर बन जाओ फाक्रदिल

बच्चों की पुकार सुनकर बाप आते हैं

सबको सुख शांति में ले जाने आते हैं

पावन बनने के लिए एक बाप से बहुत-बहुत लव रखना है

बाप समान रहमदिल बनना है

बाप कहते हैं जिन रोया तिन खोया

सदा मुस्कुराना

कभी नहीं है रोना

बाप करावनहार है आत्मा करनहार है

मेरा बाबा!!

ॐ शान्ति !!!